दिमाग खाने वाला अमीबा

हालिया सन्दर्भ -

- केरल के कोझिकोड जिले में 12 वर्षीय लड़के को अमीबिक मेनिंगोऐंसेफेलाइटिस नमक दुर्लभ मस्तिष्क संक्रमण हुआ है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।
- मई के बाद से केरल राज्य में इस प्रकार का यह तीसरा मामला है, जिसमें 25 मई को एक 5 वर्षीय लड़की एवं 25 जून को 13 वर्षीय लड़की की मृत्यु हो गई थी।
- सर्वप्रथम ऐसा मामला केरल के अलपुझा जिले में मिला था।

प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोऐंसेफेलाइटिस यानि पाम

- PAM नेगलेरिया फाउलेरी अमीबा के कारण होता है, जिसे 'दिमाग खाने वाला अमीबा' यानि Brain eating amoeba भी कहा जाता है।
- PAM संक्रमण अत्यंत दुर्लभ लेकिन अत्यंत घातक होता है।
- नेगलेरिया अमीबा स्वतंत्र रहने वाला अमीबा है, जो दुनिया भर में गर्म मीठे पानी और मिट्टी में रहता है।
- यह एक एकल कोशिकीय जीव (Single cell organism) है, जिसे माइक्रोस्कोप की सहायता से देखा जा सकता है।

मनुष्यों में संक्रमण –

Sujit Mitra

- दूषित जल में नहाने या अन्य ऐसी गतिविधियों के दौरान यह अमीबा नाक एवं मुंह के माध्यम से मस्तिष्क में चला जाता है।
- यह अमीबा मस्तिष्क में सूजन को पैदा करता है और धीरे-धीरे मस्तिष्क के ऊतक नष्ट होने लगते हैं।
- प्रतिरक्षा तंत्र का कमजोर होना, साइनस की दीर्घकालिक समस्या एवं गर्म मीठे पानी से संपर्क संक्रमण की संभावना को बढ़ाते हैं।
- अमीबा के संक्रमण होने के 2-15 दिनों में लक्षण दिखने लगते हैं।
- संक्रमण बहुत तेजी से बढ़ता है और पीड़ित की मौत 2-20 दिनों में हो जाती है।
- यह बीमारी मनुष्यों से मनुष्यों में नहीं फैलती है।

लक्षण -

- सिरदर्द, बुखार
- जी मिचलाना, उल्टी होना
- गर्दन में जकड़
- दौरा आना
- मतिभ्रम होना

मृत्यु दर -

- इस संक्रमण में मृत्यु से बचने का बहुत कम उम्मीद होती है क्योंकि इसका मृत्यु दर 95-100% है।
- उपचार किए जाने के बाद भी 97% लोग मृत्यु की जाल में समा जाते हैं।

उपचार -

- वर्तमान में इसका कोई विशेष उपचार नहीं है।
- संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए एजिथ्रोमाइसिन, एंफोटेरिसिन-बी एवं फ्लूकोनाजोल जैसी दवाइयों का प्रयोग किया जाता है।

Result Mitra